

वैश्विक महामारी कोविड-19: भारत सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयास

डॉ. आभा सिंह

एसोसिएट प्रोफेसर

सी०एम०पी० कालिज, यूनि० ऑफ इलाहाबाद

Email: abhasingh18691@gmail.com

डॉ. दिलीप कुमार सिंह

अस्सिस्टेंट प्रोफेसर

सी०एम०पी० कालिज, यूनि० ऑफ इलाहाबाद

सारांश

कोविड-19 एक प्रकार का वायरस विषाणु है, जो कि संक्रमण द्वारा फैलता है। यह संक्रमण श्वसन तंत्र में उत्पन्न करता है। इसके कई नाम प्रचलित हैं। वुहान कोरोना वायरस सार्स कोव-2, नोवल कोरोना वायरस 2019। चूँकि यह वायरस सर्वप्रथम 1 दिसंबर 2019 में वुहान हुवाई प्रांत चीन में फैला इसलिए इसे वुहान कोरोना वायरस प्रकोप कहते हैं। इसका पहला ज्ञात रोगी वुहान के वेट मार्केट (Wet Market) से संबंधित था जहाँ पर जंगली जानवरों के माँस बिकते थे। ऐसा माना गया कि वेट मार्केट में बिकने वाले प्रतिबंधित जानवर चमगादड़ से यह मनुष्य में फैला हो क्योंकि इस बाजार में चमगादड़ खाए जाते हैं और कोरोना वायरस का चमगादड़ों में पाए जाने वाले कोरोना वायरस से अनुवांशिक समानताएं पाई गई हैं। कुछ वायरोलॉजिस्ट का मानना है कि कोरोना वायरस पैंगोलिन से मानवों में फैला है। विश्व स्वास्थ्य संगठन डब्ल्यूएचओ ने वुहान वायरस या वुहान कोरोना वायरस शब्द प्रयोग करने को मना किया है तथा इसका नाम (2019-ncov), कोविड-19, नोवल कोरोना वायरस रखा है।

प्रस्तावना

कोरोना वायरस के लक्षण और कारण

मुख्य रूप से कोरोना वायरस जानवरों के बीच में घूमते हैं लेकिन विकसित होकर यह मनुष्यों को संक्रमित करते हैं। ऐसा पूर्व के वर्षों में पाया गया है जैसे SARS, MERS, इबोला इत्यादि। 2002 में घोड़े की नाल, चमगादड़ में संक्रमण के साथ फिर जीवित पशु बाजारों से Civet के माध्यम से चीन esa SARS का प्रमुख प्रकोप शुरू हुआ यह सुपर स्प्रेडर्स था। अंतर्राष्ट्रीय हवाई यात्रा की मदद से यह कनाडा और अमेरिका तक पहुँच गया जिस कारण विश्व में 700 मौतें हुईं। 2004 में ऊँट से MERS वायरस फैला परिणाम स्वरूप 27 देशों में 850 से अधिक मौतें हुई थी।

इस प्रकार कोरोना वायरस का संबंध वायरस के ऐसे परिवार से है जिसके संक्रमण

से जुखाम से लेकर सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्या हो सकती है।

कोरोना वायरस के लक्षण पलू से मिलते जुलते हैं। संक्रमण के फलस्वरूप संक्रमित व्यक्ति में बुखार, जुखाम, नाक बहना, गले में खराश और सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्या स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगती है क्योंकि यह वायरस मानव से मानव में फैलता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार पुरे विश्व में 10 सितम्बर 2020 तक 3 करोड़ लोग कोविड-19 से ग्रसित हो चुके हैं और मरने वालों की संख्या 9 लाख तक पहुँच चुकी है। वही भारत में स्वास्थ्य मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार 44 लाख से अधिक लोग पीड़ित हो चुके हैं और 80 हजार से अधिक लोग इस बीमारी से काल के गाल में समा चुके हैं।

डब्ल्यूएचओ के अनुसार कोरोना वायरस से संक्रमित होने पर 88 फीसदी को बुखार, 68 फीसदी को खांसी और कफ और 38 फीसदी को थकान, 18 फीसदी को ठंड लगना और 4 फीसदी में डायरिया के लक्षण दिखते हैं।¹

20 जनवरी 2020 को चीनी प्रीमीयर ली के कियांग ने नोवल कोरोना वायरस के कारण फैलने वाले निमोनिया को महामारी माना और इसे नियंत्रित करने के लिए निर्णायक और प्रभावी कदम उठाने का आग्रह किया।²

23 जनवरी 2020 को विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोरोना वायरस के प्रकोप को अंतर्राष्ट्रीय चिंता का एक सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया।^{3, 4}

विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख टेडरोज एडेहनाम ग्रेबिएसोस ने कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए कहा कि यह दूसरे देशों में तीव्रता से फैल रहा है। वर्तमान समय में यह विश्व के 184 देशों में फैल चुका है।

प्रोफेसर विल्सन के अनुसार कोविड-19 से संक्रमित लोगों को चार श्रेणियों में बाँटा जा सकता है

- 5 **प्रथम श्रेणी**— जिनमें कोई लक्षण नहीं दिखता है।
- 5 **द्वितीय श्रेणी**— जिनमें स्वसन नली ऊपरी हिस्से में संक्रमण होता है। इस स्थिति में संक्रमित लोगों को बुखार कफ सिरदर्द या कंजक्टिवाइटिस का लक्षण होता है।
- 5 **तृतीय श्रेणी**— COVID-19 पॉजिटिव लोगों में निमोनिया जैसे लक्षण होते हैं। इन्हें अस्पताल में रहना होता है।
- 5 **चतुर्थ श्रेणी**— निमोनिया जैसी बीमारी का गंभीर रूप होती है।

शोधकर्ताओं ने प्रस्तुत शोध पत्र में कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान भारत सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों का अध्ययन किया है।

भारत सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयास

इस बात पर हम दो राय नहीं रख सकते हैं कि कोविड-19 बीमारी का खतरा कायम है। हम इस बीमारी से बचने के तरीकों का विकास भी करते चल रहे हैं। भारत सरकार द्वारा कोविड-19 संक्रमण से देश को बचाने के प्रयास निःसंदेह प्रशंसनीय व अनुकरणीय है।

लॉकडाउन प्रथम फेज का आयोजन

लॉकडाउन प्रथम फेज 24 मार्च से 14 अप्रैल तक किया गया था। इस समय भारत सरकार ने पूरी तरह से रेल बस, यातायात परिवहन आदि सभी सेक्टर बंद कर दिए थे। उस समय तीन हफ्तों का लॉकडाउन कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने का एकमात्र विकल्प था। 24 मार्च को 3 हफ्ते की लॉकडाउन घोषणा के साथ ही प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सामाजिक दूरी पर बल दिया था यह सामाजिक दूरी वास्तव में शारीरिक दूरी थी। आपसी संपर्क की कड़ी को तोड़कर कोरोना वायरस को शिथिल करना था।

“विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी सोशल डिस्टेंसिंग बड़ा हथियार माना है।”

कोविड-19 के संक्रमण को रोकने के लिए लॉकडाउन एक अहम कदम है। लॉकडाउन करने से जो बहुमूल्य समय भारत सरकार को मिला इसका इस्तेमाल ऐसा माना गया कि केंद्र सरकार और राज्य सरकारें निश्चय ही तैयारी में लगाएंगी। कैसी तैयारी और किसके लिए तैयारी यह महत्वपूर्ण प्रश्न है?

- 5 रक्षात्मक युद्ध के लिए अथवा
- 5 आक्रामक जंग के लिए

रक्षात्मक युद्ध

सामाजिक राजनीतिक उपायों से लड़ा जाता है जैसे लॉकडाउन और कमजोर तबकों की देखभाल द्वारा।

आक्रामक जंग

यह जंग विज्ञान और प्रौद्योगिकी के प्रयोग से जीती जा सकती है।

अब तो इस कमजोर समय में आतंकियों द्वारा जैविक हथियारों के प्रयोग का भी खतरा बना हुआ है।

लॉक डाउन द्वितीय फेज 2.0 का आयोजन

भारत के सभी राज्यों ने प्रथम चरण के लॉकडाउन और जनता द्वारा किये गए सहयोग के बावजूद कोविड के बढ़ते केसों पर चिंता जताई और लॉकडाउन द्वितीय फेज लागू करने पर सहमत हुए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 15 अप्रैल से 3 मई तक लॉकडाउन 2.0 की घोषणा की गयी। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया कि जनता तक जरूरी सामान की आपूर्ति होती रहे।

19 अप्रैल 2020 को प्रधानमंत्री मोदी ने अंग्रेजी के पाँच स्वर अक्षरों पर आधारित एक फार्मूला दिया—

- A. अडेप्टिबिलिटी (अनुकूलता)
- E. एफिशिएंसी (दक्षता)
- I. इन्क्लूसिविटी (समावेशिता)
- O. ओपोर्चुनिटी (अवसर)

• U. यूनिवर्सलिस्म (सार्वभौमिकता)

इनके जरिये नए बिजनेस वर्क कल्चर के लिए जरूरी बिंदुओं का उल्लेख किया। लॉकडाउन की वजह से डगमगाती आर्थिक स्थिति विचलित कर रही है। भारत जैसे ही गरीबों का देश है। कोविड-19 महामारी इस स्थिति को बढ़ा रही है। अतः लॉकडाउन के साथ कुछ छूट देना भी भारत सरकार की मजबूरी है।

सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम

औपचारिक शिक्षा का प्रयोग करते हुए भारत सरकार ने सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम कोविड-19 से बचने और जनसामान्य को समझने के लिए चलाया है।

5 **ऑनलाइन मार्केट**— द्वारा हॉटस्पॉट चिन्हित क्षेत्रों में जरूरी सामग्री पहुँचाना।

5 **ऑनलाइन एजुकेशन**— शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षण कार्य हेतु ऑनलाइन एजुकेशन कार्यक्रम यूजीसी एम.एच.आर.डी और राज्य सरकार द्वारा चलाया जा रहा है ताकि शैक्षिक स्तर पर व्यवस्था सुदृढ़ होती रहे। स्वयं और ईपीजी पाठशाला माध्यमिक स्तर पर ऑनलाइन एजुकेशन दी जा रही है।

5 **वर्क फ्रॉम होम**— केंद्रीय कर्मचारियों, राज्य कर्मचारियों तथा अन्य विभागों में वर्क फ्रॉम होम प्रारंभ कराया गया तथा लॉक डाउन 2.0 के फेस में आवश्यक मंत्रालयों के कार्य पूरा करने के लिए अल्टरनेट कर्मचारियों को बुलाया जा रहा है। 33: कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जा रही है।

5 **दूरदर्शन पर विज्ञापनों द्वारा कोविड-19 से बचने के उपायों पर जागरूकता फैलाई जा रही है।**

5 **कोरोना वॉरियर्स जैसे**— पुलिस प्रशासन द्वारा लॉक डाउन 1.0 और 2.0 के दौरान हॉटस्पॉट चिन्हित क्षेत्रों में गीत गाया जाना ताकि लोगों को कोविड-19 से बचने का रास्ता व उत्साह मिल सके।

कोरोना वॉरियर्स हमारे चिकित्सकों को प्रोत्साहित करना तथा साथ ही उनके द्वारा मरीजों के लिए की गई सेवाओं के अतिरिक्त उत्साहवर्धक गीत आदि को नवनूतन साधनों जैसे— फेसबुक, व्हाट्सएप, दूरदर्शन अन्य सोशल मीडिया के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाना है।

5 सरकार ने अपने पोर्टल और हेल्पलाइन नंबर दिए हैं—

Gov- India द्वारा—

MY GOV CORONA HELP DISK 9013151515

Prepare Don't Panic

WhatsApp No- 99013151515

24x7 Medical Help No-

Ministry of Health and Family Welfare Govt- of India द्वारा—

Corona Virus Prepare Don't Panic

Help us to

Help you

Advisory on Social Distancing to fight COVID-19

Advisory on Social Distancing to fight Corona virus-Avoiding Mars

Gathering

- Ministry of Electronics and Communication technology Govt- of India
Helpline No- 011-23978046

5 सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्योग मंत्रालय द्वारा—

कोरोना वायरस बचाओ कार्यक्रम बचाव कार्यक्रम

5 यूट्यूब पर सामाजिक जागरूकता संबंधी वीडियो को अपलोड करना—

- ब्रीथिंग प्रॉब्लम
- अफवाह नहीं सही जानकारी फैलाएं
- कोरोना वायरस से जुड़ी इन बातों का रखें ध्यान
- हाथ मिलाने के बजाय नमस्ते करें। डर नहीं जागरूकता फैलाएं।
- मास्क एक सावधानी
- हाथों को धोने का सही तरीका (स्वच्छता ही सुरक्षा)
- क्या ना करें
- कोरोना वायरस के संक्रमण
- जानिए कोरोना वायरस
- खुद रहें सुरक्षित औरों को भी रखें

इस प्रकार के अनेक यूट्यूब पर वीडियो उपलब्ध हैं जो जनता को जागरूक करने में सहायक हैं।

• चिकित्सीय स्तर पर कोविड-19 को रोकने की सुदृढ़ रणनीति

किसी भी महामारी को रोकने और उपचार का प्रमुख भाग चिकित्सीय व्यवस्था होती है। स्वास्थ्य नीति पर काम करने वाले स्कॉलर हार्वे कैनबर्ग ने अमेरिका में कोविड-19 से बढ़ते नुकसान को रोकने के तीन प्रमुख उपाय सुझाए—

प्रथम— स्पष्ट कमांड सिस्टम की स्थापना।

द्वितीय — व्यापक रूप से टेस्ट यानी परीक्षण।

तृतीय — स्वास्थ्य कर्मियों को पर्याप्त सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराना।

चतुर्थ — यह रिकॉर्ड रखना कि कौन संक्रमित है, कौन संक्रमित हो सकता है, पकड़ में न आ पाने वाला संक्रमित कौन है या कौन पूरी तरह से स्वस्थ हो चुका है।

पंचम – आम लोगों को प्रेरित करना और उन्हें एकजुट रखना ।

षष्ठम – शोध से सीखते हुए रणनीति में लगातार सुधार करना ।

यह सुदृढ़ सिद्धांत कोविड-19 से जूझ रहे विश्व के सभी देशों पर समान रूप से लागू होते हैं तथा प्रत्येक उपाय से जुड़े सभी देशों की अपनी अपनी मुष्किलें हैं ।

प्रोफेसर अनुराग अग्रवाल के विश्लेषण के अनुसार

• भारत के लिहाज से देखें तो यहाँ कमांड सिस्टम भी सक्रिय हैं, जनता भी सहयोग कर रही है मगर यहाँ टेस्ट कम हो रहे हैं। फिर यहां चौथे उपाय के अनुरूप वर्गों का निर्धारण भी नहीं हुआ है। यहाँ सुरक्षा उपकरण और अस्पतालों में सामान की आपूर्ति चेन भी कमजोर है। लिहाजा छठें उपाय को जो कि शोध कार्यों का है ना सिर्फ इन तमाम कमियों से जूझना होगा बल्कि सार्स कोविड-19 के खिलाफ पूरी तरह से जंग छेड़नी होगी। हमें हर कदम पर इनोवेटिव तरीके अपनाने होंगे।⁷

- देशभर में कई सी.एस.आई.आर. और डी.बी.टी. अनुसंधान प्रयोगशालाएँ व्यापक तौर पर आर.टी.पी.सी.आर. टेस्ट सुनिश्चित करके स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए मदद कर रही है।
- नई स्टार्टअप कंपनियां सस्ती और प्रणाली को निर्मित कर रही हैं।
- व्यक्तिगत सुरक्षा स्थिति पी.पी.ई., अस्पतालों के बड़े ऑक्सीजन वेंटिलेटर और नई वायरल दवाओं की चुनौतियों से निपटने के लिए सी.एस.आई.आर. और डी.आर.डी.ओ. जैसी संस्थाएं उत्पादों की आवश्यक आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए एक दूसरे की प्रयोगशालाओं का इस्तेमाल कर रही हैं।
- भारत सरकार द्वारा आरोग्य सेतु एप लांच किया गया है।
- वायरस बचाओं करने वाले सूट का उत्पादन बड़ी मात्रा में हो सके इसके लिए सीन सीलिंग टेप की अनुपलब्धता के विकल्प के तौर पर पनडुब्बी उपकरण के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले सीलेंट गोंद का विकल्प अपनाया गया ताकि फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।
- स्वदेशी ऑक्सीजन सान्द्रक मशीन सी.एस.आई.आर. के सहयोग से तैयार की जा रही है जो मरीजों का जीवन बचा सकती है।
- कोविड-19 के इलाज के लिए आवश्यक जीवन रक्षक दवाओं को सी.एस.आई.आर. के सहयोग से तैयार किया जा रहा है।
- मानव से मानव में कोविड-19 को रोकने के लिए 3 प्रयासों को अपनाया जा रहा है
 - Self Isolation (स्वयं चुना एकांतवास)
 - Quarantine (क्वारेन्टीन)
 - Home Isolation (होम आइसोलेशन)

Self Isolation (स्वयं चुना एकांतवास)— यह उन लोगों के लिए है जो वायरस के

संपर्क में आ सकते हैं। कुछ लोग स्वेच्छा से सिर्फ इसलिए करते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि वह उजागर हो सकते हैं या सिर्फ सतर्क हो सकते हैं।

Quarantine (क्वारेन्टीन)— घर, अस्पताल, फॉर्म हाउस, होटल जैसी जगहों पर व्यक्ति को आइसोलेट कर देना जिससे व्यक्ति अन्य लोगों के संपर्क में ना आ पाए यह 14 दिन का होता है।

Home Isolation (होम आइसोलेशन)— कोई व्यक्ति कोरोना से संक्रमित है अथवा वायरस की कैरियर स्टेज में है तो ऐसे व्यक्ति का होम आइसोलेशन करने पर वायरस के संक्रमण की कड़ी टूट जाती है।

सामाजिक दूरी (सोशल डिस्टेंसिंग)—

विकीपीडिया के अनुसार—सोशल डिस्टेंसिंग या सामाजिक दूरी लोगों के बीच शारीरिक दूरी बनाकर संक्रामक बीमारी के प्रसार को रोकने का एक उपाय है। इसमें लोग एक दूसरे के निकट संपर्क में आने से बचते हैं। इसमें लोग कम से कम 2 मीटर की दूरी बनाए रखते हैं और बड़े समूहों में एक साथ इकट्ठा होने से बचते हैं।

यदि हम लॉकडाउन और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हैं तो कोरोना वायरस के तीसरे स्टेज अर्थात् कम्युनिटी स्प्रेड से बच सकते हैं।

भारत में सामाजिक दूरी का पालन उच्च और मध्यवर्ग में तो हो रहा है परंतु देश की अधिकतर आबादी शहर की मलिन बस्तियों और छोटे-छोटे घरों में रहती है। अतः यहाँ पर शारीरिक दूरी पालन करवाना कारगर साबित नहीं हो रहा है। वर्तमान समय में नोएडा, दिल्ली की मलिन बस्तियाँ महाराष्ट्र का धारावी भारत सरकार के लिए चिंता का सबब बन गया है। इसीलिए कुछ राज्यों ने उपाय के तौर पर मलिन बस्तियों के आधे परिवारों को नजदीकी स्कूल या कॉलेज में रखे जाने की व्यवस्था की है।

प्रशासनिक स्तर पर भारत में कोविड-19 के बचाव के लिए देश के सभी राज्यों व जिलों को तीन जोन में बांटा है—

रेड जोन— जिस जिले या राज्य में संक्रमित मरीज हों।

ऑरेंज जोन— जिस जिले या राज्य में 14 दिन से कोई संक्रमित मरीज ना मिला हो।

ग्रीन जोन— जिस जिले या राज्य में अब तक कोई कोरोना संक्रमित ना पाया गया हो।

टीका खोजने पर बल

आज विश्व भर के वैज्ञानिक कोरोना का टीका खोजने में लगे हैं। भारत में केंद्र सरकार के कई वैज्ञानिक केंद्र इस दिशा में कार्य कर रहे हैं। दवा कंपनियां भी इस दिशा में काम कर रही हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने सम्बोधन में कहा है कि भारत के पास भले ही सीमित संसाधन हों लेकिन मेरा देश के युवा वैज्ञानिक से विशेष आग्रह है कि विश्व कल्याण और मानव कल्याण के लिए आगे आए और कोरोना का टीका बनाने का बीड़ा उठाएं।

- S देश में भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद आई.सी.एम.आर.
- S जैव प्रौद्योगिकी विभाग
- S विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग डी.एस.टी.
- S वैज्ञानिक एवं अनुसंधान परिषद सी.एस.आई.आर.

कोरोना की दवा और टीका बनाने के लिए जुटे हुए हैं। कोरोना की दवा बनाने को लेकर दुनिया भर में काम चल रहा है। इस कड़ी में अमेरिकी कंपनी किलिड साइंस इन ने दावा किया है कि उसकी दवा रेडी डिस्विन कोरोना को शुरुआती दौर में रोकने में कारगर है।

ई- डायरी का निर्माण

ऑक्सफोर्ड के शोधकर्ताओं ने ई-डायरी का निर्माण किया है जिसमें मरीज खुद शरीर में महसूस होने वाले परिवर्तन को ऑनलाइन एक डायरी में फीड करके करेंगे जिससे शोधकर्ताओं के लिए उसका आकलन कर शारीरिक दुष्प्रभाव को जानने में आसानी होगी जिससे टीके के मानव परीक्षण में बेहद अहम भूमिका होगी ई-डायरी।

हैमर व डॉस थ्योरी

एक अमेरिकी अध्ययनकर्ता ने हैमर व डॉस थ्योरी को कोरोना वायरस से निपटने के लिए सुझाया है जिसके प्रयोग द्वारा इन रणनीतियों का इस्तेमाल करके संक्रमण के प्रकार को काफी हद तक रोका जा सकता है। दक्षिण कोरिया और चीन ने इस थ्योरी का प्रयोग किया और सफल रहा।

क्या है हैमर थ्योरी?

- वायरस वृद्धि दर पर काबू करना मकसद
- संक्रमण के फ्रंट मामले तेजी से चिन्हित करना
- स्वास्थ्य कर्मियों की तैनाती
- इलाज की प्रक्रिया सुधारना
- हेल्थ केयर तंत्र पर अतिरिक्त दबाव कम करना
- कसों की प्रकृति के आधार पर हेल्थ केयर बढ़ाना

कोरोना वायरस से जंग लड़ने में छात्रों ने निम्न हथियार दिए हैं-

- लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी पंजाब के बी.टेक. के छात्र प्रवीण कुमार दास ने इनबिल्ट वाइब्रेटर बनाया है। एल.ई.डी लाइट शरीर का तापमान मापने वाला सेंसर और बीपर लगा हुआ है। यह हर 30 मिनट पर व्यक्ति को हाथ धोने का रिमाइंडर और तापमान बढ़ने पर S.M.S भेजता है। यह एक चौकोर आकार का पेंडेंट है जिसे गले में पहना जाता है जो व्यक्ति के संपर्क में आने पर चमकने लगता है।
- एप से चलेगा यह वेंटीलेटर- आई.आई.टी. हैदराबाद और सेंटर फॉर हेल्थ केयर एंटरप्रेन्योरशिप की मदद से ऐरोबिओसिस इनोवेशंस नामक एक कम लागत वाला वेंटीलेटर बनाया है। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग

विभाग के प्रोफेसर ने वेंटीलेटर का उत्पादन किया है। नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी वारंगल एक कोविड-19 सुपर कंप्यूटर बना रहा है जिससे वायरस पर तापमान और आर्द्रता पर पड़ने वाले असर का भी इस सुपर कंप्यूटर के माध्यम से पता लगाया जा सकता है। आई.आई.टी. के छात्रों ने गोवाहाटी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल को 5000 बोतल सेनिटाइजर बना कर दिया है।

इस प्रकार भारत सरकार, स्वयंसेवी संस्थाएं, आम जनता तथा प्रत्येक देशवासी कोविड-19 को गंभीरता से लेते हुए अपने-अपने स्तर से इस महामारी को रोकने में प्रयासरत है। इस मुश्किल घड़ी में विज्ञान सार्वजनिक स्वास्थ्य के मोर्चे पर प्रभावी रणनीति बनाने और अर्थव्यवस्था को फिर से गति देने में मार्गदर्शन कर सकता है।

संदर्भ ग्रंथ

1. hi_m-wikipedia.org.2019-20 कोरोना वायरस महामारी विकिपेडिया।
2. Chinese premier stresses curbing viral pneumonia epidemic, चाइना डेली बीजिंग (षिंझुआ समाचार एजेंसी), 21 जनवरी 2020 मूल से 22 जनवरी 2020 को पुरालिखित, अभिगमन तिथि।
3. Shirring. Lisa, 2020 (23 Jan 2020) 'WHO holds off on ncov emergency declaration a cases soar' CIDRAP अंग्रेजी में अभिगमन तिथि 24 जनवरी 2020।
4. Statement on the meeting at the International Health Regulation (2005) Emergency Committee Regarding the outbreak of Novel Coronavirus 2019 (ncov) on 23 Jan 2020 www.who.int अंग्रेजी में अभिगमन तिथि 23 जनवरी, 2020।
5. विकिपेडिया 2019-20 कोरोना वायरस महामारी hi_m-wikipedia.org.
6. हिंदुस्तान समाचार पत्र- 29 अप्रैल 2020 तवज्जो मांगती तंगहाल जटिलताएं आलेख- सुरेश शर्मा, प्रोफेसर, इंस्टिट्यूट ऑफ इकनोमिक ग्रोथ।
7. हिंदुस्तान समाचार पत्र- 29 अप्रैल 2020 तवज्जो मांगती तंगहाल जटिलताएं आलेख-सुरेश शर्मा, प्रोफेसर, इंस्टिट्यूट ऑफ इकनोमिक ग्रोथ।
8. Wikipedia.www.social distancing.